

अध्याय - 6 | मंगलेश डबराल (संगतकार)

QUIZ-01

1. मुख्य गायक की कैसी आवाज को बल देकर संगतकार सहयोग देते हैं?

- A. कर्कश B. मधुर
C. टूटती-बिखरती D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या: संगतकार टूटती-बिखरती आवाज में भी मुख्य गायक का साथ देकर उसका उत्साह बढ़ाता है।

2. संगतकार किन क्षेत्रों में पाए जा सकते हैं?

- A. राजनीति के क्षेत्र में B. संगीत के क्षेत्र में
C. नाटक के क्षेत्र में D. उपरोक्त सभी (D)

व्याख्या: कविता में बताया गया है कि संगतकार सिर्फ संगीत तक सीमित नहीं होते, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी होते हैं।

3. 'सरगम' शब्द का क्या अर्थ है?

- A. वाद्य यंत्र B. दुख
C. उपरोक्त में से कोई नहीं D. संगीत के सात स्वर (D)

व्याख्या: सरगम का अर्थ है संगीत के सात स्वर – सा, रे, गा, मा, पा, धा, नि।

4. मुख्य गायक को धीरज बँधाने का काम प्रायः कौन करता है?

- A. संगतकार B. उसकी माँ
C. श्रोता D. इनमें से कोई नहीं (A)

व्याख्या: जब मुख्य गायक असहज होता है, तो संगतकार उसके स्वर को संभालता है और उसे धीरज देता है।

5. 'जटिल' शब्द का अर्थ है?

- A. जटा B. कठिन
C. कठोर D. उपरोक्त में से कोई नहीं (B)

व्याख्या: 'जटिल' का अर्थ होता है कठिन या उलझा हुआ।

6. 'मंगलेश डबराल' का जन्म कब हुआ था?

- A. 1900 B. 1948
C. 1850 D. उपरोक्त में से कोई नहीं (B)

व्याख्या: मंगलेश डबराल का जन्म 1948 में हुआ था।

7. कवि संगतकार द्वारा अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से कम रखने को क्या मानता है?

- A. मनुष्यता B. ईमानदारी
C. चालाकी D. समझदारी (A)

व्याख्या: कवि इसे मनुष्यता की भावना से जोड़ता है, क्योंकि यह सहयोग और विनम्रता का प्रतीक है।

8. किसकी आवाज में हिचक सुनाई देती है?

- A. संगतकार के B. अभिनेता के
C. मुख्य गायक के D. इनमें से कोई नहीं (A)

व्याख्या: हिचक संगतकार की आवाज़ में रहती है, कहीं उसकी आवाज़ मुख्य गायक से ऊपर ना हो जाये।

9. संगतकार मुख्य गायक का साथ क्यों देता है?

- A. उसकी गायन-शक्ति बढ़ाने के लिए
B. उससे सीखने के लिए
C. इनमें से कोई नहीं
D. उससे आगे बढ़ने के लिए (A)

व्याख्या: संगतकार का उद्देश्य मुख्य गायक को सहयोग देना और उसकी प्रस्तुति को प्रभावी बनाना है।

10. 'संगतकार' नामक कविता के कवि कौन हैं?

- A. सुमित्रानंदन पंत B. जयशंकर प्रसाद
C. मंगलेश डबराल
D. उपरोक्त में से कोई नहीं (C)

व्याख्या: 'संगतकार' कविता के रचनाकार मंगलेश डबराल हैं, जो समकालीन हिंदी कविता के प्रमुख कवि हैं।